बृहस्पतिवार
08 दिसम्बर 2022

पृष्ठ 4

जूस सेहत के लिए स्वास्थ्यवर्धक

पृष्ठ 5

टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म में सारा की एंट्री!

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 295
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चाहे गुरु पर हो या ईश्वर पर, श्रद्धा अवश्य रखनी चाहिए। क्यों कि बिना श्रद्धा के सब बातें व्यर्थ होती हैं।

– समर्थ रामदास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गुजरात में भाजपा और हिमाचल में कांग्रेस सरकार

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा में रिकॉर्ड वोट प्रतिशत के साथ रिकॉर्ड सीटों पर जीत दर्ज करने वाली भाजपा में खुशी की लहर है। गुजरात के गांधीनगर में जहां जोरदार जश्न का माहौल है वही आज शाम को भाजपा के दिल्ली स्थित मुख्यालय में इस बड़ी जीत के जश्न की तैयारियां चल रही हैं। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के मौजूद रहने की उम्मीद है। गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 150 से अधिक सीटें जीत कर सत्ता पर अपना कब्जा बनाए रखने में सफल हुई है वहीं भाजपा की यह जीत इस मायने में भी बड़ी जीत मानी जा रही है क्योंकि उसने 27 साल की सत्ता विरोधी लहर को बेअसर करते हुए 50 फीसदी से भी अधिक वोट प्रतिशत के साथ यह जीत दर्ज की है इस चुनाव में कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ है उसे पहले चुनाव में मिली 77 सीटों की तुलना में मात्र 16-17 ही मिलती दिख रही हैं। आम आदमी पार्टी जो गुजरात में सरकार बनाने का दावा कर रही थी सिर्फ पांच-छह सीटों पर ही सिमटती दिख रही है।

कांग्रेस जिसे दिल्ली के एमसीडी

❑भाजपा ने गुजरात में रचा नया इतिहास
❑हिमाचल में भाजपा का डबल इंजन फेल

चुनाव व गुजरात में बड़ी नाकामी का सामना करना पड़ा है उसके लिए थोड़ी राहत की खबर हिमाचल प्रदेश से आई है जहां वह पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आती दिखी। हिमाचल की 68 सदस्यीय विधान सभा में समाचार लिखे जाने तक कांग्रेस के खाते में 38 से 39 सीटें आती दिख रही हैं जबकि भाजपा 25-26 सीटों पर सिमटती नजर आ रही थी। समाचार लिखे जाने तक मतगणना जारी थी। हिमाचल में आम आदमी पार्टी ने भी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे लेकिन यहां आम आदमी पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही तथा उत्तराखंड की तरह यहां भी उसके अधिकांश प्रत्याशियों की जमानतें जप्त हो गई।

इस बीच हिमाचल से आ रही जोड़-तोड़ और विधायकों की खरीद-फरोख्त की खबरों के बीच कांग्रेस के कई बड़े नेता हिमाचल रवाना हो गए हैं। कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि भाजपा कुछ भी कर सकती है इसलिए अपने विधायकों को एकजुट रखना जरूरी है। 68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा में बहुमत के लिए 35 सीटें चाहिए जिससे कांग्रेस कुछ ही सीटें आगे है। भाजपा को इस चुनाव में 16-17 सीटों का नुकसान हुआ है।

गुजरात में विपक्ष का सफाया

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा में इस बार विपक्ष का पूरी तरह से सफाया हो चुका है। 182 सदस्यीय विधानसभा में पिछली बार कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थी। जबकि इस बार निर्दलीय, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को मिलाकर भी यह आंकड़ा 30 तक भी नहीं पहुंच पाया है। गुजरात विधानसभा से विपक्ष का पूरी तरह सफाया होना मजबूत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है।

यूपी के उपचुनाव में सपा ने दिखाया दम

डिंपल दो लाख से अधिक मतों से जीती

विशेष संवाददाता

लखनऊ। सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह के निधन से खाली हुई मैनपुरी की संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में उनकी बहू डिंपल यादव ने भाजपा के प्रत्याशी को हराकर दो लाख से भी अधिक वोटों से जीत हासिल की है। वही रामपुर और खतौली सीटों पर सपा और आरएलडी प्रत्याशी जीत की ओर अग्रसर है।

उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह के निधन से खाली हुई सीट पर चुनाव सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ था। मुलायम परिवार की ओर से इस सीट पर अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को सर्वसम्मति से चुनाव मैदान में उतारा गया था। तथा चुनाव प्रचार में भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी गई थी। इस चुनाव में सपा को सहानुभूति लहर का भी बड़ा फायदा मिला है क्योंकि सपा ने नेताजी को श्रद्धांजलि के नाम पर वोट मांगे थे और जनता द्वारा सपा को दिल खोलकर वोट भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि मैनपुरी सपा की परंपरागत सीट है जहां वह कभी नहीं हारी है। पिछले चुनाव में मुलायम सिंह यादव मोदी लहर के बीच भी इस सीट पर 92 हजार से

❑खतौली व रामपुर में आरएलडी व सपा प्रत्याशी जीत की ओर

अधिक वोटों से जीते थे। लेकिन अब डिंपल ने दो लाख से भी अधिक मतों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी को हराकर नया रिकॉर्ड बना दिया है। खतौली सीट से आरएलडी प्रत्याशी तथा रामपुर से सपा प्रत्याशी भी भाजपा प्रत्याशियों से बड़ी बढ़त के साथ जीत की ओर अग्रसर हैं। उधर बिहार के एकमात्र सीट बुधनी में भाजपा प्रत्याशी केदार प्रसाद ने जेडीयू प्रत्याशी पर जीत दर्ज की है।

गुजरातः ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी ने की आत्महत्या की कोशिश

नई दिल्ली । गुजरात विधानसभा चुनाव के सामने आए रुझानों मे भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाते दिख रही है। वहीं कांग्रेस करारी हार का सामना कर रही है। वोटिंग की गिनती के दौरान गांधीधाम सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार भरतभाई वेलजीभाई सोलंकी ने आत्महत्या की कोशिश की है।

दरअसल, कांग्रेस के प्रत्याशी भरतभाई वेलजीभाई सोलंकी ने चुनाव आयोग पर वोटिंग की गिनती में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। सोलंकी इस कदर आग बबूला हो गए कि उन्होंने आत्महत्या की कोशिश की। हालांकि, स्थिति पर काबू पा लिया गया और वो इस वक्त बिल्कुल सही है। गुजरात विधानसभा चुनावों में गांधीधाम सीट बेहद अहम मानी गई है। पिछले एक दशक से बीजेपी का कब्जा इस सीट पर है। साल 2017 के चुनावों में बीजेपी की प्रत्याशी मालती माहेश्वरी ने कांग्रेस के किशोर पिंगोल को करीब 20 हजार वोटों से मात दी थी। वहीं, इस बार बीजेपी के मौजूदा विधायक पर पार्टी ने अपना दांव लगाया और कांग्रेस के भरतभाई सोलंकी के खिलाफ उतारा। सोलंकी ने वोटिंग के दौरान आरोप लगाया कि ईवीएम सही से सील नहीं थी और कई पर सिग्नेचर भी नहीं थे। उन्होंने साफ धांधली का आरोप लगाया। वहीं, जैसे ही वोटिंग की गिनती शुरू की कई सोलंकी धरने पर बैठ गए लेकिन उनकी किसी ने नहीं सुनी। जिसके बाद आग बबूला होकर सोलंकी ने आत्महत्या का प्रयास किया।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की एसआईटी जांच की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की जांच 'स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम' से कराने की मांग उठी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक क्यूरेटिव याचिका दाखिल की गई थी। हालांकि अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में एनजीओ रूट्स इन कश्मीर ने दाखिल की थी एनजीओ ने क्यूरेटिव याचिका में सिख विरोधी दंगों की फिर से हो रही जांच का हवाला देते हुए कहा कि इंसानियत के खिलाफ अपराध और नरसंहार जैसे मामलो में कोई समयसीमा का नियम लागू नहीं होता।

याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा कि मानवता के खिलाफ अपराधों के

मामले में कार्यावाही करने की कोई सीमासीमा नहीं है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका को 2017 में 27 साल की देरी से दाखिल किए जाने के आधार पर खारिज कर दिया था। इससे पहले, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा को बताया था कि इस साल जम्मू कश्मीर में तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 14 लोग मारे गए हैं। उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'जम्मू कश्मीर केंद्र शासित क्षेत्र में जनवरी (2022) से 30 नवंबर तक तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के 14 लोग मारे गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू कश्मीर में इस साल अब तक 123 आतंकवादी घटनाओं में 180 आतंकवादी, 31 सुरक्षाकर्मी और 31 नागरिक मारे गए हैं। राय ने कहा कि सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस (कतई बर्दाश्त नहीं करने) की नीति रही है और जम्मू कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है तथा आतंकवादी हमलों में काफी कमी आई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनावी नतीजों का संदेश

वर्तमान में हुए गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश की एक संसदीय सीट और 2 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव एवं दिल्ली के एमसीडी के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। गुजरात चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर रिकॉर्ड मत प्रतिशत के साथ डेढ़ सौ से अधिक सीटें जीतकर यह साबित कर दिया है कि उसे गुजरात में कोई नहीं हरा सकता। 27 साल की एंन्टी इनकैम्बसी और मुफ्त की राजनीति भी उस काम को चुनौती नहीं दे सकती है जो उसने गुजरात में काम किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के गृह प्रदेश में उन्हें हराने का मतलब होता है देश की राजनीति से बाहर कर देना। जो अभी तो कम से कम संभव नहीं है। गुजरात का चुनाव मोदी और शाह की नाक का सवाल था इसलिए उन्होंने यहां एक बड़ी लाइन खींचने की कोशिश की और उसमें वह कामयाब भी रहे। लेकिन 20 फीसदी मतदाताओं के साथ यहां आम आदमी पार्टी का खाता खोलना भले ही वह दहाई का अंक भी न छू सकी हो उसे राष्ट्रीय राजनीतिक दल बनाने की ओर दो कदम आगे ले जाता है। वहीं दिल्ली के एमसीडी चुनाव में आप द्वारा 15 साल से सत्ता पर काबिज भाजपा को बाहर का रास्ता दिखा देना उसकी बड़ी कामयाबी है। इन चुनावों के नतीजे यह बताते हैं कि बाकी किसी को कोई फायदा हुआ हो या न हुआ हो लेकिन हिमाचल में भी उत्तराखंड की तरह अपना खाता तक न खोल पाने वाली आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल सबसे अधिक फायदे में रहे हैं। गुजरात तो बीते 27 साल से भाजपा के पास था ही 5 साल की समय सीमा अब और बढ़ गई हो लेकिन एमसीडी से उसकी सत्ता का जाना और हिमाचल में उसके डबल इंजन के फार्मूले का फेल हो जाना उसकी बढ़ती रफ्तार पर ब्रेक लगने का संकेत जरूर कहा जा सकता है। हिमाचल में अब तक एक बार भाजपा और फिर एक बार कांग्रेस की सरकार बनाने का जो रिवाज चला आ रहा है इस रिवाज को बदलने के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने हालांकि चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत भले ही झोंक दी हो लेकिन वह अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सकी कांग्रेस भले ही हिमाचल में मामूली बढ़त के साथ सत्ता हासिल करने में सफल रही हो लेकिन जहां उसे हर जगह भारी और बड़ा नुकसान हो रहा है हिमाचल की जीत उसके लिए एक उम्मीद की किरण जरूर कही जा सकती है लेकिन इस पर उसे बहुत खुश यां संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी उपचुनाव के नतीजों में भी समाजवादी पार्टी की जीत पर सपा को खुश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह जीत मुलायम सिंह के निधन पर मिली सहानुभूति की जीत है। वर्तमान के उपचुनाव नतीजों को देखकर अगर सपा प्रमुख अखिलेश यादव आगामी लोकसभा या विधानसभा चुनाव के लिए कोई बड़ा सपना देख रहे हैं तो यह उनका मुगालता ही होगा वर्तमान चुनाव के नतीजे देश के भावी भविष्य की राजनीति और राजनीतिक दलों को कुछ न कुछ संदेश तो देते ही हैं इन संकेतों को कौन कैसे समझता है यह अलग बात है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीएमएस रोड स्थित कुर्मांचल भवन परिसर मे दुर्गा मंदिर के तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सुंदरकांड पाठ में प्रतिभाग किया।

पन्यंपन्यमित्सोतार आ धावत मद्याय ।
सोमं वीराय शूराय॥
(ऋग्वेद ८-२-२५)

हे आराधक ! ज्ञान और समर्पण का सोमरस उस परमात्मा को अर्पण करो जो सर्वश्रेष्ठ वीर है। जो सब का नायक है और पाप को नष्ट करने वाला है।

O devotee ! Offer the elixir of knowledge and dedication to that God who is the hero of all and the destroyer of sin. (Rig Ved 8-2-25)

फोर्स-टेन बॉक्सिंग टूर्नामेंट में खिले बॉक्सरों के चेहरे

संवाददाता

देहरादून। मिनी व सब जूनियर बालक बालिका बाक्सिंग टूर्नामेंट के अंतिम दिन बाक्सरों ने मेडल बटोरे जिससे उनके चेहरे खिल उठे।

आज यहां मिनी एवं सब जूनियर बालक बालिका बॉक्सिंग टूर्नामेंट के अंतिम दिवस के फाइनल मुकाबलों का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षा विभाग उर्मिला राणा ने किया। विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं रेडक्रॉस उत्तराखंड के कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, युवा कल्याण विभाग से पी सी पांडे एवं फोर्स टेन से धर्म मलिक व राजेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। सब जूनियर गर्ल्स 36 से 39 किलोग्राम भार वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल क्लेमेंटाउन से किंजल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सिल्वर मेडल प्राप्त करने में सफल रही सिमरन आर्मी पब्लिक स्कूल बीरपुर। 45 से 48 किलोग्राम भार वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल क्लेमेंटाउन से रायना ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं गजिया वाला बॉक्सिंग सेंटर से चांदनी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। मिनी बालक वर्ग में 22 से

24 किलोग्राम भार वर्ग में परेड ग्राउंड के कृष्णा ने गोल्ड मेडल एवं बॉक्सिंग क्लब के मयंक ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

24 से 26 किलोग्राम भार वर्ग में बॉक्सर बॉक्सिंग क्लब के प्रियांशु ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं परेड ग्राउंड से प्रणय ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक एवं प्रमाण पत्र भी उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर देहरादून बॉक्सिंग संघ की महासचिव दुर्गा थापा क्षेत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह बुटोइया, उपाध्यक्ष कैप्टन वी एस रावत, कोषाध्यक्ष उमेश मौर्य, सचिव अनिल कंडवाल, प्रदीप कुमार एरी, पदम बहादुर गुरुंग, लवीश कुंवर, प्रियंका, पूजा नेगी, सुशीला राणा, रीना कुंवर, यश शर्मा, प्रिया, रमन, अंकित, अश्वनी थापा, रमेश चतुर्वेदी, प्रशांत आदि ने प्रतियोगिता में सहयोग किया।

संचालन जितेंद्र सिंह बुटोइया ने किया। मिनी एवं सब जूनियर बालक बालिका टूर्नामेंट को फोर्स-टेन द्वारा स्पॉन्सर किया गया था। सभी मेडल प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह एवं खेल उपकरण उन्हीं के द्वारा प्रदान किए गए थे। सभी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों सहित देहरादून बॉक्सिंग संघ ने प्रतियोगिता को सफल बताया।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलपुर अटक फार्म निवासी सोहन सिंह ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अशोक जोशी, शेखर बसंल व रमेश ढौडियाल अपने दो-तीन साथियों के साथ उसके घर में घुस आये तथा उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया तथा जाते हुए उसको जान से मारने की धमकी देकर गये हैं।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महाकाल सेवा समिति द्वारा 11 दिसम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। महाकाल सेवा समिति द्वारा 11 दिसम्बर को झण्डा दरबार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

आज यहां संस्था के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया कि विगत वर्षों की भांति प्रत्येक तीन महा पश्चात श्री महाकाल सेवा समिति रजि. द्वारा रक्तदान शिविर का लगातार आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। महंत देवेंद्र दास के आशिर्वाद से 11 दिसंबर दिन रविवार को दरबार परिसर झण्डा साहब मे विशाल 12वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी के संदर्भ में आज संस्था के सदस्यों ने महंत देवेंद्र दास से मुलाकात कर सहसम्मान निमंत्रण पत्र दे कर महंत देवेन्द्र दास का आशिर्वाद प्राप्त किया और कार्यक्रम के बारे मे विस्तार से बातचीत की।

महंत देवेन्द्र दास ने संस्था को पूर्ण रूप से सहयोग का भी आश्वासन दिया, इस दौरान संस्था के सदस्य आलोक जैन, हेमराज अरोड़ा, सचिन आनंद, नितिन अग्रवाल, बी के शर्मा, संजीव गुप्ता, राकेश आनंद, राहुल माटा, कृतिका राणा, अनुष्का राणा, सचिन जैन उपस्थित रहे।

हजारा अरोडा बिरादरी का 18वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन 18 को

संवाददाता

देहरादून। हजारा अरोडा वंश बिरादरी वेलफेयर सोसायटी के प्रधान बाबूराम सहगल ने बताया कि बिरादरी का 18वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन 18 दिसम्बर को मनभावन पैलेस में किया जा रहा है।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सहगल ने कहा कि संस्था कई वर्षो से वैवाहिक परिचय सम्मेलन कराती आ रही है। इस वर्ष भी 18वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन 18 दिसम्बर को मनभावन पैलेस में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने हेतु व्यस्क प्रत्याशी को अपने अभिभावकों के साथ आना

होगा। फार्म का मूल्य 500 रूपये है तथा फार्म सीमित संख्या में है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में देहरादून से बाहर हरिद्वार, विकासनगर, ऋषिकेश, रूडकी, दिल्ली, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, श्रीनगर आदि से आने की सम्भावना है। फार्म वितरण हेतु 21 स्थानों का चयन किया गया है जहां से फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सम्मेलन में 350 प्रत्याशियों के भाग लेने की सम्भावना है। प्रेसवार्ता में कमल ढींगरा, सर्वेश अरोडा आदि मौजूद थे।

धार्मिक आजादी के लिहाज से सबसे चिंताजनक देशों की ब्लैक लिस्ट में सऊदी अरब का नाम शामिल

नई दिल्ली । अमेरिकी सरकार की एजेंसी यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रीलिजियस फ्रीडम ने धार्मिक आजादी का उल्लंघन के लिहाज से सबसे चिंताजनक देशों की ब्लैक लिस्ट में सऊदी अरब का नाम शामिल किया है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि इस ब्लैक लिस्ट में सेंट्रल अफ्रीकी रिपब्लिक में हुए खूनखराबे में शामिल रहे लड़ाकों के समूह वैग्नर ग्रुप का नाम भी जोड़ा गया है। इसके साथ ही लातिन अमेरिकी देश क्यूबा और निकारागुआ को भी ब्लैकलिस्टेड किया गया है। इस समय इस सूची में कुल बारह देशों के नाम हैं।

ये देश हैं- सऊदी अरब, क्यूबा, निकारागुआ, चीन, ईरान, इरीट्रिया, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, म्यांमार। इसके साथ ही अमेरिका ने अल्जीरिया, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, कोमोरोस, और वियतनाम को विशेष निगरानी सूची में रखा है। इस लिस्ट में से भारत को बाहर रखा गया है जिसे लेकर यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रीलिजियस फ्रीडम ने सरकार के प्रति नाराजगी जताई है।

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रीलिजियस फ्रीडम के कमिश्नर स्टीवन स्नेक ने बताया है कि सऊदी अरब की सरकार इस्लाम से इतर किसी अन्य धर्म के पूजा स्थल के निर्माण को प्रतिबंधित करती है। उन्होंने कहा, ष्सऊदी अरब इस्लाम के अलावा किसी अन्य धर्म के पूजा स्थलों के निर्माण को प्रतिबंधित करता है। सरकार की ओर से विरोध करने वाले धार्मिक नेताओं को भी हिरासत में रखना जारी है। और सऊदी राज परिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता के इन उल्लंघनों के लिए खुली छूट नहीं दी जा सकती।ष उन्होंने ये भी कहा, सऊदी अरब सरकार लगातार धार्मिक आजादी का उल्लंघन करती आई है। ये उल्लंघन सरकार के उन दावों को कमतर करते हैं जिनमें कहा गया है कि वहां अलग-अलग क्षेत्रों में प्रगति हुई है। अमेरिका को सऊदी अरब सरकार से लगातार आग्रह करना चाहिए कि वह धार्मिक आजादी के प्रति ज्यादा सम्मानजनक भाव रखे।

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रीलिजियस फ्रीडम दुनिया भर में उन मुल्कों पर नजर रखता है जहां धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के मामले सामने आते हैं। इसके बाद यह आयोग इन मुल्कों को विशेष सूचियों में दर्ज करने के लिए अमेरिकी सरकार को अपने सुझाव देती है। इस आयोग की रिपोर्ट में सामने आया है कि सऊदी अरब में शिया मुसलमानों को शिक्षा, रोजगार और न्यायपालिका में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही सेना और सरकार के उच्च पदों तक भी उनकी पहुंच नहीं है। सऊदी अरब के कुछ इलाकों में शिया बहुमत वाले क्षेत्रों के बाहर शिया मस्जिदों का निर्माण अभी भी प्रतिबंधित है। इसके साथ ही सरकारी संस्थाएं अभी भी इन इलाकों में शिया समुदाय के धार्मिक आह्वानों पर रोक लगाए हुए हैं। यही नहीं, आयोग की वेबसाइट पर मौजूद दस्तावेजों के मुताबिकष, श्सऊदी अरब में ईसाई, यहूदी समेत अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय सिर्फ निजी स्तर पर मुलाकघतें कर सकते हैं। सऊदी अरब ने कभी-कभी धार्मिक विरोधियों के खघ्लिाफ जासूसों का इस्तेमाल किया जाता है।

अमेरिकी आयोग ने इस साल जून में भारत को भी इस सूची में रखने का सुझाव दिया था। इस पर भारत सरकार ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण और गलत बताया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अफसोस की बात है, यूएससीआईआरएफ अपनी रिपोर्टों में बार-बार तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना जारी रखे हुए है। भारत ने कहा था कि श्हम अपील करेंगे कि पहले से बनाई गई जानकारियों और पक्षपातपूर्ण नजरिये के आधार पर किए जाने वाले मूल्याकंन से बचा जाना चाहिए। अमेरिकी आयोग पिछले तीन सालों से अमेरिकी विदेश मंत्रालय से भारत को चिंताजनक देशों की सूची में डालने की अपील कर रहा है। लेकिन अब तक भारत को इस सूची में नहीं डाला गया है।

सर्दियों में गले की खराश से न हों परेशान

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बुखार, जुखाम के साथ गले में खराश की समस्या बढ़ जाती है। ये मौसम कई लोगों की सेहत पर भारी पड़ता है। बच्चों और बूढ़ों को सबसे ज्यादा इस मौसम में बीमारियों का खतरा रहता है। वजह है कि इस मौसम में लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) कमजोर हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जिनके चलते आप न केवल इन बीमारियों से निजात पा सकते हैं बल्कि आपको गले की खराश की समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। आइए जानते हैं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उस घरेलू उपायों के बारे में।।।

हल्दी वाला दूध: हल्दी वाला दूध जुखाम और बुखार में तो असरदार होता ही है। साथ ही इसे पीने से गले की खराश भी जाती रहती है। इसमें ऐंटी-इनफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि खराश की वजह से होने वाले गले के दर्द में राहत रहती है।

करें गरारा: गले की खराश से राहत के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है नमक के पानी का गरारा। गुनगुने नमकीन पानी से गरारा करने पर यह गले के फ्लूइड्स को सोख लेता है जिससे कि गले के दर्द में आराम महसूस होता है।

शहद है असरदार: शहद कई गुणों से भरपूर होता है। इसमें ऐंटी-ऑक्सिडेंट और ऐंटी-इनफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। गले की खराश से राहत के लिए आप हल्के गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर और 1 चम्मच शहद डालकर पी सकते हैं या आप इसे दूध के साथ भी ले सकते हैं।

वेट लॉस और हेल्थ के लिए अपनाएं डिटॉक्स वॉटर

पाचन में सुधार करने, वजन घटाने और बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए डिटॉक्स वॉटर का यूज किया जाता है। इससे ना केवल स्वस्थ रहने में मदद मिलती है बल्कि सुंदरता में भी निखार आता है। डिटॉक्स वॉटर हमारे शरीर से विषैले तत्वों को दूर करता है और पिंपल जैसी स्किन संबंधी दूसरी समस्याओं से मुक्ति दिलाता है।

डिटॉक्स वॉटर को घर पर ही बनाया जा सकता है और इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। खास बात यह है कि डिटॉक्स वॉटर को अलग-अलग फ्लेवर में तैयार किया जा सकता है। यानी अगर आपको कोई खास फ्लेवर पसंद नहीं आ रहा है तो आप दूसरे फ्लेवर को तैयार कर सकते हैं। डिटॉक्स वॉटर सेब और दाल चीनी, संतरा और अदरक, तुलसी-लॉन्ग-इलायची और शहद जैसी चीजों से बनाया जा सकता है।

संतरे और अदरक से डिटॉक्स वॉटर बनाने के लिए आप आधे संतरे को छीलकर बीच से बारीक पीस में काट लें, अब एक इंच अदरक का टुकड़ा कद्दूकस करें और इन दोनों चीजों को 1 लीटर पानी में मिलाकर दो से तीन घंटे के लिए फ्रीज में रखें। इसके बाद छानकर इस पानी का उपयोग करें। यह आपके मूड को ठीक करने और बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में मददगार है।

अगर आपको संतरे के डिटॉक्स वॉटर का टेस्ट पसंद ना आए तो आप दालचीनी और सेब से डिटॉक्स वॉटर भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको दालचीनी का एक करीब 1 से डेढ़ इंच लंबा टुकड़ा रातभर के लिए करीब 1 लीटर पानी में भिगोकर रखना होगा। इसके बाद सुबह उठकर एक सेब को छीलकर बारीक-बारीक पीस में काटकर करीब आधा घंटे के लिए इन्हें दालचीनी के पानी में भिगो दें। इसके बाद आप इस पानी को छानकर इसका यूज कर सकते हैं। यह पानी कार्डियोवस्कुलर डिजीज का खतरा भी कम करता है। स्किन को सुंदर बनाने और बढ़ी हुई चर्बी को कम करने के लिए आप इलायची, तुलसी, लॉन्ग और शहद को मिलकार भी डिटॉक्स वॉटर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक लीटर पानी में 5 लॉन्ग और 5 इलायची डालकर रातभर छोड़ दें।

टेनिस एल्बो क्या है, जाने इसके लक्षण और उपचार

टेनिस एल्बो कोहनी में होने वाले दर्द का एक प्रकार है। यह एक दर्दनाक स्थिति होती है जो कोहनी के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण विकसित हो सकती है। यह रोग सबसे अधिक टेनिस खेलने वाले खिलाड़ियों में होता है और इसी वजह से इसका नाम टेनिस एल्बो रखा गया है। टेनिस एल्बो दर्दनाक स्थिति है। जब कोहनी के बाहर के टेंडन यानी मांसपेशी को एक हड्डी से जोड़ से जोड़ने वाले ऊतक, पर या कोहनी के पास ऊपरी बांह की तरफ चोट लगने के कारण दर्द की स्थिति बनती है, तो इसे डॉक्टरी भाषा में टेनिस एल्बो या लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस कहा जाता है । रैकेट का उपयोग करने वाले, गोल्फ खेलने वाले और टेनिस खेलने वालों में यह समस्या आम है। कहा जाता है कि यह चोट उन लोगों में आम है, जो बहुत अधिक टेनिस या अन्य रैकेट खेल खेलते हैं, इसलिए इसका नाम टेनिस एल्बो है।

टेनिस एल्बो होने का कारण

* जो लोग रैकेट खेलते हैं, उन्हें कोहनी के बाहर के टेंडन को चोट लगने की सबसे अधिक संभावना होती है। कोहनी का या मांसपेशियों का बार-बार उपयोग करते रहने पर टेंडन में छोटे छोटे टिअर्स बन जाने पर भी इसकी समस्या हो सकती है।

* कोई भी ऐसी गतिविधि जिसमें बार-बार कलाई को घुमाना शामिल है, टेनिस एल्बो का कारण हो सकता है।

जैसे कि पेंटर, प्लंबर, श्रमिक, रसोइया और कसाई के कार्य।

* यह स्थिति कंप्यूटर की-बोर्ड पर बार-बार टाइप करने और माउस के प्रयोग के कारण भी हो सकती है।

टेनिस एल्बो के लक्षण

* कलाई का इस्तेमाल करते समय दर्द का अनुभव होना।

* किसी से हांथ मिलाते समय दर्द होना।

* किसी भी वस्तु को उठाने पर कमजोर पकड़ का होना।

* कोई सामान उठाने पर भी कलाई और कोहनी के बीच वाले हिस्से में दर्द होना।

* हाथ को फैलाते समय दर्द महसूस होना।

* कोहनी के आसपास की मांसपेशियों में अकड़न का अनुभव भी हो सकता है।

टेनिस एल्बो का उपचार

फिजियोथेरेपी: टेनिस एल्बो के कारण होने वाले दर्द और इसके प्रभाव को कम करने के लिए फिजियोथेरेपी भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें हाथों के व्यायाम की सलाद दी जा सकती है।

दवाएं: दर्द और सूजन की स्थिति को कम करने के लिए डॉक्टर नॉन-स्टेयडल एंटीइंफ्लेमेटरी दवाएं लिख सकता है, जिनका उपयोग मौखिक रूप से किया जा सकता है।

बर्फ से सिकाई: प्रभावित क्षेत्र पर बर्फ लगाने से यह रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं जिससे दर्द में कमी महसूस होती है। दिन में कई बार 15 से 2० मिनट के लिए बर्फ का प्रयोग सिकाई के लिए किया जा सकता है।

मालिश: मालिश करने पर यह रक्त संचार और कोशिका की गतिविधि को बढ़ा सकती है, डीप-फ्रिक्शन मसाज फाइब्रोब्लास्ट गतिविधि को बढ़ा कर नए कोलेजन उत्पन्न करने का कार्य करती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार कम से कम दस मिनट मसाज करने से दर्द कम हो सकता है साथ ही ताकत और गतिशीलता में वृद्धि हो सकती है।

आराम: टेनिस एल्बो के दर्द से बचने के लिए डॉक्टर आराम करने की सलाह दे सकते हैं। रोगी को हर 15 मिनट में 1 मिनट का ब्रेक और हर 2०- से 3० मिनट के कार्य के बाद 5 मिनट का ब्रेक लेने की सलाह दी जाती है। (आरएनएस)

स्किन को करना है रिपेयर तो घर पर बनाए ये नाइट क्रीम

अगर आप अच्छी और हेल्दी स्किन चाहती हैं तो उसके लिए यह ध्यान रखे कि नाइट क्रीम बहुत जरूरी होती है। जी हाँ और नाइट क्रीम का काम स्किन रिपेयरिंग के साथ डेड सेल को रिमूव कर न्यू सेल्स का निमार्ण करना होता है। नाइट क्रीम ऐसी होनी चाहिए, जो आपके स्किन को सभी आवश्यक पोषक प्रदान कर डीप लेयर तक जाए, साथ ही एजिंग प्रोसेस को भी धीमा करे। वैसे आज के समय में बाजार में कई ब्रांड में प्रोफेशनल और एडवांस नाइटक्रीम उपलब्ध है लेकिन इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है। आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

एलोवेरा जेल नाइट क्रीम- एलोवेरा स्किन के लिए बहुत लाभदायक माना जाता है। यह नाइट क्रीम के तौर पर आपकी त्वचा को रात भर पोषण देगी। आप एलोवेरा में आमंड ऑयल और गुलाब जल आदि मिला कर नाइट क्रीम तैयार कर सकते हैं। जी हाँ और इस क्रीम का उपयोग करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप रात में अपना चेहरा धो लेने के बाद इसे लगाएं। नाइट क्रीम की थोड़ी मात्रा लें और इसे कम से कम 2 मिनट के लिए सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसको बनाने के लिए एलोवेरा जेल 2 से 3 टीस्पून, गुलाब जल 1 से 2 टीस्पून, बादाम का तेल 1 टीस्पून, लैवेंडर का तेल 7-8 बूंद ले लें। सबसे पहले एक बाउल लें और उसमें एलोवेरा जेल और गुलाब जल मिलाएं। उसके बाद इसमें एक चम्मच बादाम का तेल और कुछ बूंदे लैवेंडर ऑयल की मिलाएं। अच्छी तरह मिलाएं। अब लीजिये नाइट क्रीम तैयार है। इसे एक कंटेनर में स्टोर करें और इसे रेफ्रिजरेट करें!

गुलाब जल और कोकोआ बटर नाइट क्रीम- इसको बनाने के लिए आपको चाहिए कोको बटर 2 चम्मच, गुलाब जल 2 से 3 चम्मच, शहद 1 चम्मच और बादाम का तेल1 चम्मच चाहिए। सबसे पहले एक बाउल में सारी सामग्री एक साथ मिला लें। इसके बाद इसमें कोकोआ बटर और बादाम का तेल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। अब इसको ठंडा कर लें। ठंडा होने पर इसमें शहद और गुलाब के साथ जल मिलाएं। अब इसे एक बॉटल में रखें और रोज लगाएं।

ऑलिव ऑयल से बनी नाइट क्रीम- इसे बनाने के लिए आपको चाहिये होगा 1/2 कप वर्जिन ऑलिव ऑयल, 2 बड़े चम्मच कोकोनट ऑयल, 1 बड़ा चम्मच वैक्स। सबसे पहले ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल और वैक्स् को एक सॉस पैन में धीमी आंच पर तब तक मिलाएं जब तक कि यह मेल्ट न जाए। अब क्रीम को ठंडा होने दें और फ्रिज में एक कंटेनर में स्टोर करें। इसको आप चाहे तो करीब 1 महीने तक इस्तेमाल कर सकते हैं। (आरएनएस)

बालों के विकास के लिए जरूरी हैं ये पोषक तत्व, जानिए इनके स्त्रोत

शरीर की तरह आपको भी बालों के विकास के लिए कुछ आवश्यक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्व बालों के रोम को मजबूत करने, बालों के विकास को बढ़ावा देने और बालों के घनत्व में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। आइए आज हम आपको बालों के विकास के लिए जरूरी पांच पोषक तत्वों के बारे में बताते हैं, जिनसे युक्त खान-पान की चीजों को डाइट में शामिल करना लाभदायक है।

प्रोटीन और अमीनो एसिड बालों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट का हिस्सा जरूरी बनाएं। प्रोटीन के लिए मसूर दाल, राजमा, सोयाबीन, कद्दू के बीज, सूरजमुखी के बीज, तिल के बीज, ब्राउन राइस और मूंगफली का सेवन करें। अमीनो एसिड के मुख्य स्त्रोत सूखे मेवे, टोफू और क्विनोआ आदि होते हैं।

ओमेगा-3 पीयूएफए यानी पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड स्कैल्प की सूजन को कम करने और बालों के विकास चक्र में सुधार करने में मदद करते हैं। 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें बालों के विकास चरण को सक्रिय करने और इन्हें स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। बता दें कि सालमन, टूना, अलसी के बीज, जैतून का तेल, अखरोट और अंकुरित अनाज आदि ओमेगा-3 पीयूएफए के बेहतरीन स्त्रोत माने जाते हैं।

एंटी-ऑक्सीडेंट स्कैल्प को सूजन, सूरज की हानिकारक युवी किरणों और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से सुरक्षित रखकर बालों को स्वस्थ रख सकता है। एंटी-ऑक्सीडेंट बालों के विकास को बढ़ावा देने और समय से पहले बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं। इस पोषक तत्व के लिए आप अपनी डाइट में कद्दू, गाजर, चुकंदर, टमाटर, ब्रोकली, अंडे, संतरा, खरबूजा, तरबूजा, अंगूर, सूखे मेवे, बीज और जैतून का तेल शामिल कर सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जूस सेहत के लिए स्वास्थ्यवर्धक

संतरा का जूस-: संतरा स्वास्थ्यवर्धक

प्रकृति में पाएं जाने वाले सभी फल-सब्जियों कुदरती टॉनिक होते हैं। जिन्हें किसी भी वक्त शरीर में पोषक तत्वों की जरूरतों और कैलोरी की आवश्यकता के हिसाब से नियमित पीया जा सकता है। तो आइये जानते हैं फल-सब्जियों से बने रस के लाभों के बारे में...

खीरा पानी का बहुत अच्छा स्त्रोत होता हे। खीरें विटामिन ए, बी 1 बी 6 सी, डी पौटेशियम, फास्फोरस, आयरन आदि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। नियमित यप से खीरे के जूस शरीर को अंदर व बाहर से मजबूत बनता है।

अनार प्यूनिकेलेजिन नामक एक कंपाउंड केवल अनार के रस में पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखता है।

आलू जूस में प्रचुर मात्रा में आयारन पोटैशियम, फाइबर, कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन ए, बी और सी होते हैं। जो कि हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी होते हैं।

डायबिटीज के लिए करेला रामबाण इलाज है। करेले का रस को नींबू के रस के साथ पानी में मिलाकर पीने से वजन कम किया जा सकता है। करेला का जूस खून को साफ करता है साथ ही हीमोग्लोबिन बढता है।

चुकंदर का रस ह्रदय संबंधी समस्याओं को दूर रखता है। चुंकदर के रस में नाइट्रेट नामक रसायन होता है, जो रक्त दबाव को कम कर देता है।

लौकी का रस शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इसमें विषनाशक गुण है। इसका जूस मोटापा, उच्चरक्तचाप, अम्लपित्त पित्तज रोगों, ह्रदयरोग एवं कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संतरा का जूस-: संतरा स्वास्थ्यवर्धक फल में खनिज एवं विटामिन के जरिए शरीर में ऊर्जा प्रदान करता है। इससे ने केवल पेट की समस्या दूर होती है बल्कि चुस्ती-फुर्ती भी बढती है और त्वचा में भी निखार आता है।

साबूत संतरे के अलावा संतरा के जूस पीने से पाचन क्रिया तो दूर रहती है साथ ही शरीर में रक्त और मांस में भी वृद्धि होती और एनीमिया के रोगी के लिए संतरे का जूस बहुत लाभकारी होता है।

फलों के रस से घरेलू इलाज?

फलों का रस स्वास्थ्य और सौन्दर्य दोनों की दृष्टि से बेहद लाभकारी होता है, लेकिन शायद ही आपको ये पता हो कि अलग-अलग फलों के रस के सेवन से कई बीमारियों का इलाज घर पर भी किया जा सकता है। आइए, जानते हैं-

वजन बढ़ाने के लिए -

वजन बढ़ाने के लिए दुग्ध कल्प बहुत फायदेमंद होता है। ड्रायफ्रूट्स, गेहूं के जवारे का रस व सभी तरह के फलों के रस से वजन बढ़ सकता है। फलों के रस का सेवन करने पर कब्ज से भी छुटकारा पाने में मदद मिल जाती है।

2 एसिडिटी के लिए -

एसिडिटी की समस्या से निजात पाने के लिए गाजर-पत्तागोभी, कद्दू और मिश्री व सेब-पाइनएप्पल का रस एक अच्छा विकल्प है। आप चाहे तो एक गिलास पानी में नीबू का रस और आधा चम्मच मिश्री मिलाकर दोपहर के खाने से आधे घंटे पहले लें। ऐसा करने से भी एसिडिटी से निजात पाने में फायदा मिलेगा।

3 गैस के लिए -

आंवले का चूर्ण सुबह और शाम लें, दो वक्त के आहार के बीच सही अंतराल रखें। तनावमुक्त रहें, प्राणायाम और ध्यान करें। इससे गैस और एसिडिटी में फायदा होता है।

4 जुकाम -

कुनकुने पानी में नींबू का रस डालकर उसके गरारे किए जा सकते हैं। घूंट-घूंटकर पिया जा सकता है। तुलसी की पत्ती-पोदीने की पत्ती, आधा बड़ा चम्मच अदरक तथा गुड़ दो कप पानी में उबालें। फिल्टर करके उसमें एक नीबू का रस डालकर उपयोग करें।

शब्द सामर्थ्य -56

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

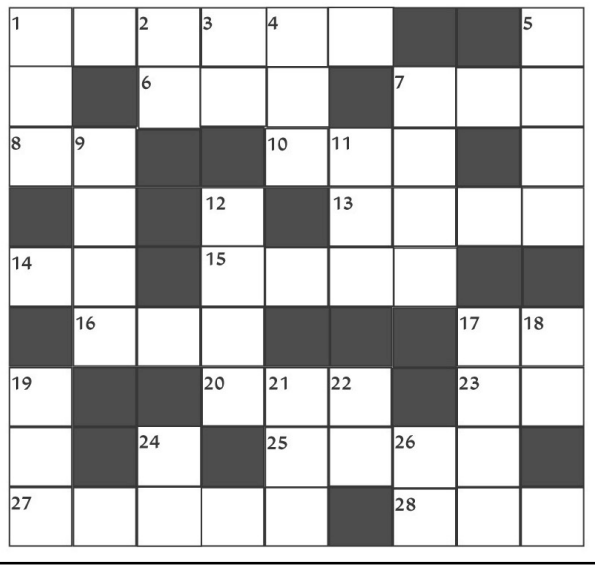

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 55 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

वरुण धवन अनीस बाज्मी की कॉमेडी फिल्म में आ सकते हैं नजर

अभिनेता वरुण धवन की हॉरर फिल्म भेड़िया देशभर के सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म 25 नवंबर को रूपहले पर्दे पर आई है। शुरुआती तौर पर फिल्म को ठीक-ठाक प्रतिक्रिया मिली है। अब वरुण की अगली फिल्म को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। खबरों की मानें तो वह जाने-माने फिल्ममेकर अनीस बाज्मी की फिल्म में नजर आ सकते हैं। दोनों के बीच एक एक्शन कॉमेडी फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, वरुण और अनीस एक एक्शन कॉमेडी फिल्म के लिए पहली बार गठजोड़ करेंगे। एक सूत्र ने बताया, वरुण और अनीस अगले साल के एक प्रोजेक्ट के लिए पहली बार साझेदारी करने पर बातचीत कर रहे हैं। अनीस अपने तरह की एक एक्शन कॉमेडी फिल्म पर काम कर रहे हैं और वरुण ने इस विषय में अपनी रुचि दिखाई है। वह फाइनल नैरेशन सुनने का इंतजार कर रहे हैं।

फाइनल नैरेशन पूरा होते ही फिल्म की टीम पेपरवर्क का काम पूरा करेगी। इसे जी स्टूडियोज और एखेलन प्रोडक्शंस के विशाल राणा के सहयोग से प्रोड्यस किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है। अभी फिल्म के बाकी कलाकारों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। कहा जा रहा है कि इंडस्ट्री को हॉरर कॉमेडी भेड़िया देने के बाद अनीस एक अलग मिजाज की कॉमेडी फिल्म बना सकते हैं।

निर्देशक अनीस बॉलीवुड में कॉमेडी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह पागलपंती, वेलकम, सिंह इज किंग जैसी यादगार फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इसी साल आई अनीस की हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 2 ने सिनेमाघरों में कमाल कर दिया था। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली थी। 20 मई को रिलीज हुई इस फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा अनीस नो एंट्री 2 पर भी काम कर रहे हैं।

एक से बढ़कर एक कई फिल्में वरुण के खाते से जुड़ी हैं। इसी साल उनकी फिल्म बवाल का ऐलान हुआ है। इसमें वह जाह्नवी कपूर के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। वह अपने करियर की पहली बायोपिक इक्कीस में नजर आएंगे, जो युद्ध नायक अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। उनका नाम फिल्म सनकी से भी जुड़ा है, जिसमें वह अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ नजर आएंगे। इसका निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं।

हालिया एक इंटरव्यू में वरुण ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि अगर लोकेश कनगराज जैसे निर्देशक उन्हें ऑफर देंगे, तो वह साउथ की फिल्मों में काम करना चाहेंगे।(आरएनएस)

अदिवी शेष की फिल्म हिट: द सेकेंड केस हिंदी में भी आएगी

साउथ के लोकप्रिय अभिनेता अदिवी शेष पिछली बार फिल्म मेजर में नजर आए। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। फिल्म में अदिवी का काम दर्शकों को बेहद पसंद आया। इसके बाद से ही दर्शक उनकी अगली फिल्म हिट: द सेकेंड केस का इंतजार कर रहे हैं। अब अदिवी ने साफ कर दिया है कि उनकी यह फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी, जो उनके हिंदीभाषी प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। आइए जानते हैं अदिवी ने क्या कहा।

उन्होंने कहा, पहले इसे हिंदी में लाने का हमारा कोई इरादा नहीं था, लेकिन जब भी हमने फिल्म से जुड़ा कोई टीजर या पोस्टर शेयर किया तो लोगों ने इसे हिंदी में रिलीज करने की भी मांग की। अदिवी के मुताबिक, लोगों का प्यार देख उन्होंने तेलुगु वर्जन की रिलीज के एक हफ्ते बाद फिल्म को हिंदी में डब करने का फैसला किया।

जब से हिट: द सेकेंड केस का ट्रेलर रिलीज हुआ है, इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। ट्रेलर में श्रद्धा मर्डर केस जैसी कहानी दिखाई गई, जिसके चलते सोशल मीडिया पर इसकी जमकर चर्चा हुई। ट्रेलर लोगों को खूब पसंद आया। अदिवी इस फिल्म में पुलिस अफसर की भूमिका में हैं। वह इसमें एक लड़की के हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते दिखेंगे। सिनेमाघरों में तीन मराठी फिल्में एकदम कड़क, बाल भारती और गोष्ट एक पैठनिचि, पंजाबी फिल्म स्नोमैन और गुजराती फिल्में भगवान बचावे व धमन दस्तक देंगी। कन्नड़ भाषा की छह फिल्में और हिंदी फिल्म एन एक्शन हीरो भी इसी दिन आ रही है।

हिट: द सेकेंड केस 2020 में आई फिल्म हिट: द फर्स्ट केस का सीक्वल है। इस फिल्म के निर्देशन भी शैलश कोलानू थे। फिल्म में विश्वक सेन और रुहानी शर्मा थीं। 6.2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 18 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसी नाम से फिल्म का हिंदी रीमेक भी बन चुका है, जिसमें अभिनेता राजकुमार राव ने मुख्य भूमिका निभाई। यह इसी साल जुलाई में दर्शकों के बीच आया। अदिवी साउथ के चर्चित अभिनेता, निर्देशक और स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने 2010 में फिल्म करमा से बतौर अभिनेता और निर्देशक अपना करियर शुरू किया था। वह कई सफल तेलुगु फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। मेजर उनकी पहली पैन इंडिया फिल्म है, जो हिंदी में भी रिलीज हुई और दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी। फिल्म में मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन को अदिवी ने बखूबी पर्दे पर उतारा। यह फिल्म इस साल 3 जून को रिलीज हुई थी।(आरएनएस)

टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म में सारा की एंट्री!

पिछले दिनों खबर आई थी कि टाइगर श्रॉफ मिशन मंगल के निर्देशक जगन शक्ति के साथ एक एक्शन फिल्म में काम करने जा रहे हैं। फिल्म से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आई थीं, लेकिन हीरोइन का नाम सामने नहीं आया था। अब खबर है कि सारा अली खान इस फिल्म से जुड़ गई हैं। इस खबर से बेशक वो दर्शक खुश हो जाएंगे, जो सारा-टाइगर की जोड़ी पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता इस फिल्म में टाइगर के साथ किसी ऐसी हीरोइन की तलाश कर रहे थे, जिसके साथ उनकी जोड़ी पहले कभी नहीं बनी। उनकी यह खोज सारा पर आकर खत्म हुई है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो गया है। 10 दिसंबर से शूटिंग शुरू होने वाली है। जैकी भगनानी फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाल रहे हैं। फिल्म एक्शन के लिहाज से बेहद खास होगी। इसके लिए जैकी स्टंट टीम के लगातार संपर्क में हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए अभिनेता की तलाश जारी है। इसमें नायक और खलनायक के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिलेगा। टाइगर की टक्कर के लिए निर्माता कई अभिनेताओं से बातचीत कर रहे हैं। जल्द ही फिल्म के लिए खलनायक का नाम फाइनल होगा। फिल्म की पूरी कास्ट अगले सात दिन में फाइनल हो जाएगी। यह एक एक्शन पैक्ड एंटरटेनर फिल्म है, जो एक मिशन पर आधारित होगी। फिल्म की शूटिंग भारत और यूरोप में होगी।

शाहरुख खान की फिल्म पठान भी एक्शन से लबरेज होगी। इसके अलावा ऋतिक रोशन फिल्म फाइटर लेकर आ रहे हैं, जिसमें खतरनाक एक्शन दृश्य देखने को मिलेंगे। एन एक्शन हीरो, कृष 4, किक 2 और बागी 4 में भी कलाकार हैरतअंगेज एक्शन करते दिखेंगे।

टाइगर अभिनीत बागी 3 के लिए सारा का नाम चर्चा में था। दर्शक फिल्म में दोनों को साथ देखना चाहते थे, लेकिन फिर इसमें श्रद्धा कपूर की एंट्री हो गई। खबर आई कि सारा ने फिल्म में काम करने से इसलिए इनकार किया, क्योंकि इसमें उनका किरदार कुछ खास नहीं था। उन्हें कुछ समय के लिए स्क्रीन पर आना मंजूर नहीं था। बागी फ्रैंचाइजी की दोनों फिल्मों की तरह बागी 3 ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। टाइगर फिल्म गणपत में भी नजर आएंगे। इसमें उनके साथ कृति सैनन लीड रोल में हैं।

स्त्री 2 में काम करेंगी श्रद्धा कपूर

वर्ष 2018 में आई सुपरहिट मूवी स्त्री में श्रद्धा कपूर ने दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल की थी। अब एक बार फिर श्रद्धा फैंस का दिल जीतने के लिए आ रही है। अभिनेत्री जल्द ही स्त्री के सीक्वल स्त्री 2 में काम करती हुई दिखाई देने वाली है। श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दिया है, जो कि ठुमकेश्वरी का बिहाइंड द सीन वीडियो है। वीडियो में श्रद्धा कह रही हैं, अंदाजा लगाओ कौन वापस आ गया। यह तो बस छोटी सी झलक है कि मैं वापस आ रही हूं। स्त्री लौट आई है। सुपर वाइब। सेट पर लौटकर काफी अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि हम बाहुत जल्दी स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं।

अभिनेत्री का ये वीडियो देख उनके फैंस फिर से उत्साहित हो गए हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी देने लगे है। खबरों का कहना है कि फिल्म स्त्री में श्रद्धा कपूर ने एक्टर राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी, फ्लोरा सैनी और विजय राज ने लीड रोल प्ले किया था। इसके पहले खबरें थी कि वरुण धवन की आगामी हॉरर कॉमेडी मूवी भेड़िया का पहला गाना ठुमकेश्वरी रिलीज कर दिया गया है। इस गाने की रिलीज के साथ ही लोगों ने श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 को लेकर अनुमान भी लगाना शुरू कर दिया है। दरअसल, यह गाना यूं तो वरुण धवन और कृति सेनन पर फिल्माया गया है। लेकिन गाने के आखिर में श्रद्धा कपूर भी कैमियो करती दिखाई दी।

थलाइवी के बाद कंगना रनौत निभाएंगी चंद्रमुखी का किरदार

अभिनेत्री कंगना रनौत की तमिल फिल्म थलाइवी पिछले साल दर्शकों के बीच आई थी। यह फिल्म नहीं चल पाई, लेकिन उनके अभिनय को पसंद किया गया था। अब इस अभिनेत्री के खाते में एक और तमिल फिल्म जुड़ गई है। वह चंद्रमुखी के सीक्वल में मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इसमें वह पर्दे पर चंद्रमुखी का किरदार अदा करेंगी। बता दें कि ऑरिजनल फिल्म चंद्रमुखी 2005 में बड़े पर्दे पर आई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, कंगना चंद्रमुखी 2 में एक विश्व प्रसिद्ध डांसर की भूमिका में नजर आएंगी। उनका किरदार अपने डांस कौशल और सुंदरता के लिए जाना जाएगा। ऐसी चर्चा है कि अभिनेत्री ने यह फिल्म साइन कर ली है। तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस कंगना के अपोजिट दिखने वाले हैं। ऑरिजनल फिल्म के निर्देशक पी वासु ही इसे निर्देशक करेंगे। इसका निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा, जिसने हाल में पोन्नियन सेल्वन 1 को प्रोड्यूस किया था।

कॉस्ट्यूम डिजाइनर नीता लुल्ला ने चंद्रमुखी के अवतार का एक स्केच जारी किया है। उन्होंने कंगना के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता जताई है। उन्होंने कहा, यह फिल्म बहुत सुंदर बनने वाली है, लेकिन इसे बनाना चुनौतीपूर्ण काम होगा। मैं इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। एक अभिनेत्री के रूप में वह जो किरदार करती हैं, उसमें अपना सबकुछ झोक देती हैं। यही उनकी ताकत है।

इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, कंगना दिसंबर के पहले सप्ताह में फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू करेंगी। अभिनेत्री इमरजेंसी से एक छोटा सा ब्रेक लेकर इस प्रोजेक्ट के काम में जुटेंगी।

चंद्रमुखी 2 का दूसरा शेड्यूल इमरजेंसी की शूटिंग खत्म होने के बाद जनवरी में शुरू होगा। बता दें कि इमरजेंसी देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है।

चंद्रमुखी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसमें रजनीकांत और ज्योतिका सरवनन ने दर्शकों का दिल जीता लिया था। नयनतारा भी फिल्म का हिस्सा थीं। इसे इ्र्रष्ठढ्ढ पर 7.2 रेटिंग दी गई है। कंगना के खाते से कई फिल्में जुड़ी हैं। वह अलौकिक देसाई की फिल्म द इनकारनेशन सीता में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इसमें वह माता सीता का किरदार अदा करेंगी। इसे एक बड़े बजट में बनाया जा रहा है। वह अपनी आगामी फिल्म टीकू वेड्स शेरू पर भी काम कर रही हैं। वह अपनी फिल्म तेजस में भी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इसमें वह भारतीय वायु सेना की पायलट की भूमिका में दिखाई देंगी। (आरएनएस)

जनता की अध्यक्षता: क्यों जी20 भारत, प्रत्येक नागरिक के लिए मायने रखता है?

अमिताभ कांत

भारत के राजनयिक संबंधों के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारत ने '20 का समूह' (जी20), जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का अंतर सरकारी मंच है, की अध्यक्षता ग्रहण की है। 1999 में स्थापित, यह समूह, दुनिया की कुल आबादी का दो-तिहाई, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 80 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। आसान शब्दों में कहें, तो जी20 वैश्विक नीति के संदर्भ में सबसे मजबूत राजनीतिक प्रभाव रखता है, जिसकी वजह से यह समूह वर्तमान के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों - सतत विकास लक्ष्य, जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियाँ, डिजिटल बदलाव आदि - पर विचार-विमर्श करने का प्रमुख मंच बन गया है।

जी20 की अध्यक्षता के साथ, भारत के पास विभिन्न मुद्दों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय एजेंडा तय करने का अवसर है; ग्लोबल साउथ और विकासशील दुनिया के हितों के वास्तविक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का मौक़ा है। गठबंधन निर्माण के समृद्ध इतिहास के साथ दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी - मई तक, आधी से अधिक आबादी (52 प्रतिशत) की उम्र 30 वर्ष से कम थी - वाले राष्ट्र के रूप में, भारत के पास बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक लाभ हैं, जो अध्यक्ष पद के लिए सर्वथा उपयुक्त है। भारत अपनी प्राथमिकताओं को केन्द्रित करते हुए दुनिया के साथ अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम है। 43 प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख - जी20 का अब तक का सबसे बड़ा - अगले साल सितंबर में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस वर्ष बाली में की गयी घोषणा के अनुरूप, भारत के नेतृत्व की इच्छा समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई उन्मुख होने की है।

जी20 के नेतृत्व का अवसर ऐसे समय में आया है, जब अस्तित्व पर खतरा बढ़ गया है, जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी व्यापक प्रभावों के बीच कोविड-19 महामारी ने हमारी प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। इस संबंध में, भारत की अध्यक्षता के एजेंडे के लिए जलवायु कार्रवाई एक विशिष्ट प्राथमिकता है, जिसमें न केवल जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान, बल्कि दुनिया भर के विकासशील देशों के लिए ऊर्जा स्रोतों में न्यायसंगत बदलाव सुनिश्चित करना भी शामिल है।

भारत के सामने बिना कार्बन उत्सर्जन किये औद्योगीकरण करने की अनोखी चुनौती है। भारत हरित हाइड्रोजन का व्यापक विस्तार कर रहा है और देश ने 2047 तक 25 मिलियन टन की वार्षिक उत्पादन क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो इसे आने वाले वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी का निर्यातक बना सकता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जलवायु परिवर्तन उद्योग, समाज और अन्य क्षेत्रों को समान रूप से प्रभावित करता है, भारत ने दुनिया के सामने 'लाइफ' (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट; पर्यावरण के लिए जीवन-शैली) का विकल्प रखा है - एक व्यवहार-आधारित आंदोलन, जो हमारे देश की समृद्ध व प्राचीन सतत परंपराओं पर आधारित है तथा जो उपभोक्ताओं और बाजार को पर्यावरण के प्रति जागरूक तौर-तरीकों को अपनाने के लिए से प्रेरित करती है।

कोविड-19 महामारी ने विकास से जुड़ी प्रगति को वर्षों पीछे धकेल दिया है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने अधिक आवश्यक सार्वजनिक-स्वास्थ्य और खाद्य संकटों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पृष्ठभूमि में रख दिया है। राष्ट्राध्यक्षों के समूह के रूप में, जी20 को एसडीजी हासिल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ और तीव्र करना चाहिए - जो लोगों के लिए एक बेहतर, स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक समृद्ध विश्व का वादा करते हैं। वर्तमान चुनौतियों के समाधान के लिए, विश्व को समसामयिक संस्थानों की आवश्यकता है, जो विविधतापूर्ण व आगे बढ़ती हुई दुनिया की आधुनिक वास्तविकताओं को न्यायसंगत और प्रभावी रूप से प्रतिबिंबित करने में सक्षम हों। भारत की जी20 प्राथमिकता 'सुधार के साथ बहुपक्षवाद' के प्रति दबाव बनाये रखने की होगी, जो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अधिक उत्तरदायी और समावेशी बनाते हैं।

भारत सरकार सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही है। जी20 की अध्यक्षता, भारत को अपना ज्ञान दुनिया के साथ साझा करने का अवसर देती है। दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी प्रणाली (आधार) को सफलतापूर्वक लागू करने और 2014 तथा 2022 के बीच प्रत्यक्ष लाभ अंतरण में 50 गुनी वृद्धि के साथ, भारत डिजिटल सार्वजनिक हितों और विकास के लिए डेटा के उपयोग के संबंध में विचार-विमर्श को आगे बढ़ाने की केन्द्रीय स्थिति में है। अक्टूबर 2022 में, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने 7 बिलियन लेनदेन पूरे किये - एक दिन में 230 मिलियन लेनदेन के बराबर - जो दर्शाता है कि इतने बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेश मॉडल को शुरू करना और सफलतापूर्वक लागू करना भी संभव है। जी20 नेतृत्व प्रदान करने के साथ, भारत प्रौद्योगिकी के मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रति अपने विश्वास को आगे बढ़ा सकता है और सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना, वित्तीय समावेश तथा तकनीक-सक्षम विकास जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों समेत कृषि से लेकर शिक्षा तक के क्षेत्रों में अधिक से अधिक ज्ञान-साझाकरण की सुविधा प्रदान कर सकता है। विशेष रूप से, भारत के जेएएम ट्रिनिटी जैसे वित्तीय समावेश के कार्यक्रमों ने देश की महिलाओं को महत्वपूर्ण वित्तीय स्वायत्तता प्रदान की है, जिससे वे अपने घरों के निर्णय लेने में सक्रिय भागीदार बन गयी हैं - 56 प्रतिशत बैंक खाताधारक अब महिलाएं हैं, पहले 23 करोड़ महिलाओं को बैंक-सुविधा नहीं थी, लेकिन अब उनके पास बैंकों में अपने खाते हैं।

2023 भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए एक स्वर्णिम वर्ष सिद्ध होने वाला है, लेकिन नीतिगत फ्रेमवर्क को सर्वसम्मति से अंतिम रूप देने का कार्यादेश आसान नहीं है। विश्व व्यवस्था का तेजी से ध्रुवीकरण हो रहा है, रूस-यूक्रेन संघर्ष के साथ व्यापक विकास एजेंडा कमजोर हो रहा है; दुनिया की महाशक्तियों के बीच भू-राजनीतिक संबंध अधिक तनावपूर्ण हो रहे हैं - इन सबके बीच राष्ट्र को जी20 की अध्यक्षता मिल रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था आसन्न मंदी और अब तक के सबसे अधिक वैश्विक-ऋण को लेकर आशंकित है और कई देश कमजोर होती खाद्य सुरक्षा और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रहे हैं। इस माहौल में, भारत के पास एकता और सद्भाव के सूत्रधार के रूप में उभरने का अवसर है।

बाली में 20 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने जी20 विज्ञप्ति के मसौदे पर आम सहमति बनाने में अपरिहार्य भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री के शब्द आज का युग, युद्ध का नहीं होना चाहिए सीधे राजनेताओं के घोषणापत्र में परिलक्षित हुए, जो निर्णय गतिरोध को तोड़ने में सफल हुआ और जिससे शांति के पक्षधर के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

चूँकि शक्ति के पुराने केंद्र; गुणात्मक आर्थिक और सामाजिक विकास वाले युवा, जीवंत राष्ट्रों को जवाबदेही सौंप देते हैं, इसलिए भारत की महत्वाकांक्षी व कार्रवाई-उन्मुख अध्यक्षता में इस उच्च-स्तरीय गठबंधन को, विकासशील तथा अल्प-विकसित देशों के हितों और जरूरतों के अनुरूप, तैयार किया जा सकता है। अपनी अध्यक्षता के दौरान, भारत वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलना जारी रखेगा, यह याद रखते हुए कि हमारे प्रयास एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लक्ष्य के अनुरूप होने चाहिए।

लेखक भारत सरकार के जी20 शेरपा हैं। वे नीति आयोग के पूर्व सीईओ हैं।

सू- दोकू क्र.56

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 55 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

सर्वाधिक आबादी की चुनौती

तेजी से जनसंख्या में वृद्धि गरीबी उन्मूलन, भूख और कुपोषण से लड़ाई और शिक्षा- स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रसार को और चुनौतीपूर्ण बना देती है। भारत को अभी से इन चुनौतियों की तरफ ध्यान देना होगा।

अगले साल भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। यह अनुमान संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनएफपीए का है। 2022 में भारत की आबादी 1.41 अरब तक पहुंच चुकी है। अभी चीन की जनसंख्या 1.43 अरब है। अभी जनसंख्या वृद्धि की जो रफ्तार है, उसके हिसाब से 2050 में भारत की जनसंख्या 1.67 अरब हो जाएगी। लेकिन चीन की आबादी तब 1.32 अरब ही होगी। तो यह अनुमान निराधार नहीं है कि ज्यादा आबादी भूख और गरीबी जैसी चुनौतियों को और गंभीर कर सकती है। इसीलिए बहुत तेजी से जनसंख्या में वृद्धि गरीबी उन्मूलन, भूख और कुपोषण से लड़ाई और शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रसार को और चुनौतीपूर्ण बना देती है। भारत को अभी से इन असली चुनौतियों की तरफ ध्यान देना होगा। विशेषज्ञों ने उचित सलाह दी है कि भारत सरकार विकास को समान और टिकाऊ रूप से सब तक पहुंचाने की योजना बनानी चाहिए। इसके लिए सरकार की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक नीतियों में सुधार की जरूरत है।

सार यह कि आने वाले समय में भारत को बढ़ती और बूढ़ी होती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए उपाय करने होंगे। इनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में सुधार जैसी बातें शामिल होंगी। पिछले साल भारत में बुजुर्गों की जनसंख्या 13.8 करोड़ पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के मुताबिक 2030 तक इस आयुवर्ग में 19.4 करोड़ लोग होंगे। यानी इस उम्र वर्ग की आबादी में 41 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस तेजी से बूढ़ी होती जनसंख्या के सामने उपेक्षा, अकेलापन और वित्तीय परेशानियों जैसी कई समस्याएं होंगी। शोध दिखाते हैं कि फिलहाल 26.3 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं। 20.3 प्रतिशत बुजुर्ग ऐसे हैं, जो आर्थिक रूप से किसी अन्य पर निर्भर हैं, जबकि 53.4 फीसदी बुजुर्ग अपने बच्चों पर निर्भर हैं। अभी तो भारत को एक युवा देश कहा जाता है। उसकी 55 प्रतिशत जनसंख्या 30 या उससे कम वर्ष की है, जबकि एक चौथाई आबादी अभी 15 वर्ष की भी नहीं हुई है। जनसांख्यिकीय अनुपात से मिलने वाले इस लाभ को आर्थिक लाभों में तब्दील करने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत है। सवाल है कि क्या भारत इन चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाएगा? (आरएनएस)

साड़ी पहने अप्सरा सी दिखीं रुबीना दिलैक, एलिगेंट लुक ने जीते लाखों फैंस के दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा से अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीतती हुई आई हैं। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रुबीना दिलैक हर समय फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं, जो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लग जाती हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इन दिनों सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का बेहद ही स्टाइलिश अंदाज एक बार फिर से कैमरे में कैद हो गया है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सिल्वर साड़ी पहनी हुई है, जिसमें एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश कटआउट डीप नेक ब्लाउज वेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर और हॉट अदाएं दिखाते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ हमेशा जुड़ी हुई रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर हमेशा छाई हुई रहती हैं। इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को भारत के प्रथम सी.डी.एस जनरल बिपिन रावत की प्रथम पुण्य तिथि पर बलवीर रोड स्थित भाजपा कार्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी में आठ पर मुकदमा, तीन गिरफ्तार

पौडी (सं)। जमीन के नाम पर 45 लाख रूपये की धोखाधडी के मामले में पुलिस ने महिला सहित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है अन्य की तलाश जारी है।

आज इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी पौडी श्वेता चौबे ने बताया कि कोटद्वार निवासी ज्ञानेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कोटद्वार कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कुछ व्यक्तियों के द्वारा फर्जी प्रदीप सिंह बनकर फर्जी दस्तावेजों के सहारे उससे 45 लाख रूपये ठग लिये हैं। पुलिस व सीआईयू की टीम ने मामले की जांच की तो प्रकाश में आया कि अमित नेगी उर्फ गोल्डी, राहुल सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह, विनोद उर्फ अनिल पुत्र गगन सिंह, किरण पाल पुत्र रघुराज सिंह, तलविन्दर सिंह उर्फ गोल्डी पुत्र भूपेन्द्र सिंह, जावेद पुत्र फहमीद हुसैन, प्रदीप चमोली उर्फ भडडू व सीता देवी पत्नी विनोद उर्फ अनिल निवासी शिवपुरी कोटद्वार के द्वारा ज्ञानेन्द्र अग्रवाल से ठगी की है। जिसके बाद पुलिस ने अमित नेगी उर्फ गोल्डी राहुल सिंह व विनोद उर्फ अनिल को कालका दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उन्होंने बताया कि अमित नेगी व तलविन्दर ने ज्ञानेन्द्र अग्रवाल को जमीन खरीदने के लिए सम्पर्क किया और वह तैयार हो गया। जिसके बाद प्रदीप सिंह विक्रेता के रूप में और राहुल सिंह फर्जी गवाह बनकर ज्ञानेन्द्र से बैनामा कराकर 45 लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने तीनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मकान से नल चोरी करते दो दबोचे

संवाददाता

देहरादून। मकान से नल चोरी कर भाग रहे दो लोगों को पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिक कालोनी हरिपुर नवादा निवासी महिताब सिंह रावत ने नेहरू कालोनी थाने में सूचना दी कि दो युवक उसके घर से नल चुराकर भाग रहे थे जिनको उसने आसपास के लोगों की मदद से पकड लिया है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किये नल बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मयंक उर्फ अमर पुत्र सतेन्द्र सिंह निवासी तिवाडी चौक बद्रीपुर व अभिषेक पुत्र रमेश निवासी माजर माफी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

फर्जी नियुक्ति पत्र बनाने पर मंत्री के निजी सचिव पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की जानकारी के बिना उनके डिजिटल हस्ताक्षरों के माध्यम से फर्जी नियुक्ति पत्र बनाने पर निजी सचिव सहित दो के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के पीआरओ कृष्ण मोहन ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के यहां जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। सतपाल महाराज, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री हैं। यह आपके ध्यान में लाया जाता है कि एचओडी, लोक निर्माण विभाग के रूप में अयाज अहमद 5 मई 2022 को मंत्रालय में अनुमोदन के लिए प्राप्त हुए थे और मंत्री द्वारा आवेदन स्वीकृत होने की स्थिति में इसे मुख्यमंत्री को अग्रेषित किया जाना था। स्वीकृति के लिए मंत्री सतपाल महाराज विदेश दौरे पर थे और उक्त कारण से अयाज अहमद का आवेदन लंबित रखा गया था। आई.पी. सिंह, जो कैबिनेट मंत्री के निजी सचिव के रूप में कार्यरत थे, उनके द्वारा धारण किए जा रहे पद के लिए, मंत्री के डिजिटल हस्ताक्षरों तक पहुंच थी। मंत्री 14 मई 2022 को देहरादून लौटे तथा 15 मई 2022 को रविवार होने के कारण अपने निजी आवास अर्थात 13, म्यूनिसिपल रोड, देहरादून में विश्राम किया। रविवार को, यानी, 15 मई 2022 मंत्री सतपाल महाराज के निजी सचिव आई. पी. सिंह मंत्री के अधिकार/अनुमति के बिना मंत्री के सरकारी आवास 17, सुभाष रोड, देहरादून गए और घोर आपराधिक मंशा/विश्वास भंग और कर्तव्य में लापरवाही के साथ कार्यालय खोला ऑनलाइन आवेदन अयाज अहमद और अनुमोदित (स्वीकृत) लिखा और जानबूझकर फाइल मुख्यमंत्री के बजाय उत्तराखंड के पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रमुख सचिव को अग्रेषित की, जिसे अंतत: स्वीकार कर लिया गया। आई.पी. सिंह द्वारा यह काम पीठ पीछे और मंत्री की जानकारी के बिना किया गया था और आई.पी. सिंह ऐसी किसी भी फाइल पर टिप्पणी देने के लिए अधिकृत नहीं थे। जैसे ही उक्त घटना मंत्री सतपाल महाराज के संज्ञान में आई, तो उन्होंने मुख्य सचिव को संबोधित एक पत्र लिखा जोकि मुख्य सचिव को आईपी सिंह को हटाने के लिए जारी किया गया था। आई.पी. सिंह को मंत्री के निजी स्टाफ से हटाने और आई.पी. सिंह के खिलाफ उचित विभागीय कार्रवाई करने के लिए कहा गया।

आईपी सिंह की उक्त अवैध कार्रवाइ व अयाज अहमद द्वारा सार्वजनिक दस्तावेज को जाली बनाकर एक आपराधिक साजिश रचने और गलत विचार के लिए उक्त जाली दस्तावेज को वास्तविक के रूप में उपयोग करने और अन्य कारणों से जो उन दोनों को सबसे अच्छी तरह से ज्ञात हैं। ऊपर बताई गई परिस्थितियों में, यह उचित है कि भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं और उपरोक्त आईपी सिंह व अयाज अहमद के खिलाफ अन्य संबंधित कानूनों के तहत एक आपराधिक जांच शुरू की जाए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अब प्रत्येक नगर पालिका, निगम को बनाना होगा सड़क डॉटा रजिस्टर

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अब सभी नगर निकायों (नगर पालिका, नगर निगम, नगर पंचायतों) के अन्तर्गत आने वाले मार्गों की सूची, माप पुस्तिका में दर्ज कराकर, सड़क/डेटा रजिस्टर बनाकर स्थायी अभिलेख के रूप में रखा जायेगा। इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है। यह आदेश सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन की द्वितीय अपील पर सूचना आयुक्त विपिन चन्द्र के आदेश के अनुपालन में किया गया है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड शासन के शहरी विकास विभाग के लोक सूचना अधिकारी से सूचना आयोग द्वारा उनकी अपील पर किये गये सड़क/डाटा रजिस्टर बनाने सम्बन्धी आदेशों के पालन की सूचना मांगी गयी थी। जिसके बाद शासनादेश जारी किया गया तथा प्रथम अपील करने पर 28 नवम्बर से इसकी प्रति सहित सूचना उपलब्ध करायी गयी है।

नदीम ने काशीपुर नगर निगम से सड़कों की चौड़ाई सम्बन्धी सूचना मांगी थी। उपलब्ध न कराये जाने पर उत्तराखंड सूचना आयोग में द्वितीय अपील की गयी। मई 2022 में हुई द्वितीय अपील की सुनवाई में सूचना आयुक्त विपिन चन्द्र ने सड़कों की चौड़ाई सम्बन्धी सूचनायें उपलब्ध न होने तथा सड़क डेटा/रजिस्टर न बनाने पर कड़ा रूख अपनाया गया।

❑उत्तराखंड सूचना आयोग के आदेश पर शासन ने जारी किया आदेश

सूचना आयुक्त विपिन चन्द्र ने अपने निर्णय व आदेश में स्पष्ट लिखा कि अपीलार्थी द्वारा अनुरोध पत्र में मांगी गयी नगर निगम के क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न चौड़ाई के मार्गों की संख्या की सूचनायें किसी भी नगर निगम या शहरी विकास के कार्यों के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जिसकी उपलब्धता होने पर सभी विकास कार्य जैसे सड़क निर्माण कार्य, जन सुविधायें देना आदि कार्य जनहित में सुचारू रूप से नगर निगम कर सकता है। इस प्रकार के उपलब्ध आंकड़े सम्पत्ति कर निर्धारण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। यह अत्यन्त आश्चर्यजनक बात है कि नगर निगम द्वारा इस बात का अब तक ध्यान नहीं रखा गया है।

सूचना आयुक्त विपिन चन्द्र ने आदेश की एक प्रति सचिव शहरी विकास उत्तराखंड शासन, देहरादून को इस आशय से प्रेषित की है कि यदि शासन द्वारा नगर निगम, काशीपुर को सड़क डेटा/रजिस्टर रखने के शासनादेश पहले से ही जारी किये गये हैं तो काशीपुर नगर निगम के उन जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के विरूद्ध उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें जिन्होंने उक्त शासनादेशों की अवहेलना की। यदि पूर्व में इस प्रकार के शासनादेश नहीं दिये गये हैं तो वे काशीपुर नगर निगम के साथ-साथ नगर निगम/नगर पालिका क्षेत्रों में आने वाले मार्गों की सूची, माप पुस्तिका में दर्ज कराने के एवं सड़क डेटा/रजिस्टर बनाकर स्थायी अभिलेख रखने के आदेश पारित करना सुनिश्चित करें, तथा अनुपालन आख्या से आयोग को भी अवगत कराये। इस आदेश के उपरान्त भी शासन द्वारा शासनादेश जारी नहीं किया गया था। इस पर सूचना मांगने पर शासनादेश जारी किया गया तथा प्रथम अपील के आदेश पर उसकी प्रति उपलब्ध करायी गयी है।

मातृ सदन मो0 9760941522
वृद्ध माताओं का आश्रम (श्य्याग्रस्त न हों) निःशुल्क भोजन, वस्त्र एवं मैडिकल
सम्पूर्ण समर्पण फॉउन्डेशन (रजि.) 31/2 धर्मपुर, देहरादून
हेड ऑफिसः- साई छाया, जोहड़ी गाँव, देहरादून

एक नजर

स्पा सेन्टर की आड़ में चल रहा था सैक्स रैकेट, दो महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। स्पा सेन्टर की आड़ में चल रहे सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने वहां से दो महिलाओं, बेंगलुरु निवासी दो व्यक्तियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रफिकिंग यूनिट को सूचना मिली कि क्षेत्र में चल रहे एक स्पा सेंटर की आड़ में कुछ लोग सैक्स रैकेट का कारोबार करने में जुटे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा बताये गये स्थान सिडकुल चौकी क्षेत्र स्थित एक मॉल में संचालित हो रहे गोल्डन स्पा सेंटर में छापेमारी की गयी। सेंटर में मौजूद ग्राम रामेश्वरपुर लालपुर थाना किच्छा निवासी एक युवक संजू ने बताया कि स्पा सेंटर का संचालक कोई और है। स्पा सेंटर में बने कमरों को चेक किया गया तो उसमें दो कमरों में दो पुरुष और दो महिलाएं मिलीं। रिसेप्शन काउंटर पर आगंतुक रजिस्टर चेक करने पर उनकी कोई एंट्री नहीं थी। रिसेप्शन पर मौजूद युवक ने बताया कि दोनों महिलाओं को स्पा सेंटर के संचालक ने रखा है। उन्हीं के कहने पर स्पा सेंटर में जो भी ग्राहक आते हैं उनके पास लड़कियों को भेजता है। पुलिस के अनुसार स्पा सेंटर से पकड़े गए संजू, विजय बी और श्रीनिवासन निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक) सहित दोनों महिलाओं के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

वित्तीय अनियमितताओं के चलते अधिशासी अभियंता निलम्बित

नगर संवाददाता

देहरादून। शासन ने वित्तीय अनियमितताओं के चलते अधिशासी अभियंता सुरेश पाल को निलंबित कर दिया है। इस संबंध सचिव हरिचन्द्र सेमवाल ने आदेश जारी कर दिए है। सुरेश पाल वर्तमान में नलकूप खंड रुड़की में अधिशासी अभियंता के पद पर तैनात है। अधिशासी अभियंता सुरेश पाल को पद के दुरुपयोग और शासकीय कार्यों का पालन न करने तथा उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के साथ ही वित्तीय अधिकारों का दुरुपयोग करने के चलते निलंबित किया गया है। बता दें कि प्रमुख अभियंता सिंचाई ने वित्तीय अनियमितता करने को लेकर उनकी शिकायत शासन में की थी। शासन ने इसकी जांच बिठा दी है और लगाए गए आरोपों को लेकर उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही भी प्रस्तावित कर दी है। इस बात की संभावना है कि जांच के बाद उनके खिलाफ वृहद दंड दिया जा सकता है। बहरहाल उनको तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि में सुरेश पाल प्रमुख अभियंता देहरादून के कार्यालय से संबद्ध रहेंगे।

ट्रक और विक्रम की टक्कर, चार घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में देर शाम एक अनियंत्रित ट्रक की विक्रम से टक्कर हो जाने के कारण चार लोग घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं चालक मौके से ट्रक लेकर भाग निकला। जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम लगभग आठ बजे थाना भगवानपुर को सूचना मिली कि टॉल प्लाजा भगवानपुर में ट्रक व विक्रम की आपस में भीड़त हो गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर पाया कि ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर भाग निकला है। वहीं पुलिस ने चारों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां से उन्हे उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। घायलों के नाम विक्रम चालक शादाब पुत्र नौशाद निवासी अम्बर तालाब रूड़की, अक्षत पुत्र चमन लाल निवासी सरसावा जिला सहारनपुर, आशीष पुत्र सत्यपाल निवासी करौन्दी थाना भगवानपुर, व खुशनसीब पुत्री इस्लाम निवासी भगवानपुर बताये जा रहे है। बहरहाल पुलिस अब ट्रक चालक की तलाश में जुटी हुई है।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक गिरोह के तीन सदस्यों पर लगायी गैंगस्टर

हमारे संवाददाता

देहरादून। यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में गिरोह के प्रमुख तीन सदस्यों पर शिकंजा कसते हुए एसटीएफ द्वारा अब उनके खिलाफ गैगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की जायेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि अब तक 21 लोगों के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट में विवेचना की जा रही थी, विवेचना के दौरान 3 अन्य आरोपियों के खिलाफ इस गिरोह के साथ मिलकर परीक्षा में धांधली किये जाने में सक्रिय भूमिका निभाए जाने पर गैगंस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है। जिनमें गौरव नेगी पुत्र गोपाल सिंह निवासी नजीबाबाद पोस्ट सूर्यनगर थाना किच्छा,उधमसिंहनगर, विपिन बिहारी पुत्र राम शंकर निवासी ग्राम न्यामपुर सीतापुर उत्तर प्रदेश हाल जानकीपुर लखनऊ व संजीव कुमार चौहान पुत्र हर्षरूप निवासी

❑भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली को लेकर दर्ज हुए 4 मुकदमों में 54 अब तक गिरफ्तार

गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश व मूल निवासी ग्राम ताराबाद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश शामिल है जो कि इस समय सिद्धुवाला जिला कारागार देहरादून में निरूद्ध हैं। बताया कि एसटीएफ द्वारा संशोधित गैंग चार्ट बनाकर जिलाधिकारी देहरादून को प्रेषित किया गया था, जिसको जिलाधिकारी देहरादून द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। अब पेपर लीक मामले में 24 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का मामला न्यायालय में चलाया जायेगा। बताया कि पूर्व में 21 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही की जा रही थी लेकिन अब 24 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी, इस प्रकार से अन्य आरोपियों के साथ साथ अब इन तीनों आरोपियों की चल-अचल सम्पत्ति को भी गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत सीज करने की कार्यवाही भी की जायेगी। गौरतलब है कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित कराई गई स्नातक स्तरीय परीक्षा 2021, सचिवालय रक्षक भर्ती परीक्षा, वन दरोगा ऑनलाइन भर्ती परीक्षा एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी चयन परीक्षा 2016 में हुई धांधली को लेकर दर्ज अलग-अलग चार मुकदमों की विवेचना एस. टी. एफ. द्वारा की जा रही है। इन सभी मुकदमों में एस.टी.एफ. द्वारा अब तक कुल 54 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

आदमखोर गुलदार का प्रसिद्ध शिकारी जॉय हुकिल ने किया अंत

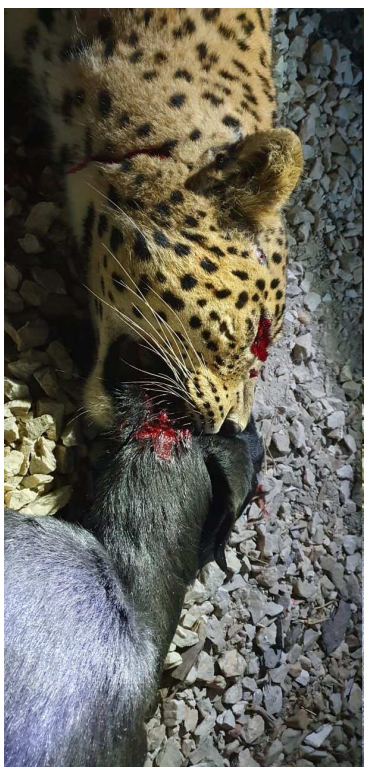

कार्यालय संवाददाता

टिहरी। टिहरी जिले में भिलंगना ब्लॉक के बाल गंगा इलाके के ग्रामीणों में खघैफ का पर्याय बने आदमखोर गुलदार (बाघ) का प्रसिद्ध शिकारी जॉय हुकिल ने किया अंत। ज्ञात हो कि 19 नवम्बर को मयकोट गाँव निवासी 13 वर्षीय अरनव चंद सुपुत्र रणवीर चंद को गुलदार ने अपना निवाला बनाया था जिसके बाद से इलाके में दहशत थी, ग्रामीणों में व्याप्त रोष को देखते हुए वन विभाग ने इस आदमखोर गुलदार (बाघ) को मारने की अनुमति दी। अब तक शिकारी जॉय हुकिल 45 आदमखोर गुलदारों (बाघ) के आतंक से उत्तराखंड के ग्रामीणों को निजात दिलाने में कामयाब हुए हैं जिसमें उन्हें आजतक सरकार की तरफ से कोई आर्थिक सहायता , जीवन बीमा या किसी भी प्रकार का प्रशस्ति पत्र नहीं मिला है।

10 को लगेगा पासपोर्ट मेला

संवाददाता

देहरादून। दस दिसम्बर को पासपोर्ट सेवा केन्द्र हाथीबडकला में पासपोर्ट मेले का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विजय शंकर पांडेय ने बताया कि आवेदकों की बढती पासपोर्ट आवश्यकताओं की समय पर पूर्ति तथा अपॉइटमेंट चक्र कम करने हेतु पासपोर्ट सेवा केन्द्र हाथीबडकला में 10 दिसम्बर को पासपोर्ट मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवेदकों को सामान्य श्रेणी व तत्काल श्रेणी के अन्तर्गत पासपोर्ट आवेदन पत्र जमा करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होगा तथा इसके लिए आवेदक को पासपोर्ट सेवा केन्द्र आने से पूर्व अपना आवेदन ऑनलाइन के माध्यम से वेबसाईट पर लॉगइन कर आनलाईन आवेदन पत्र भरकर एवं पासपोर्ट फीस का भुगतान ऑनलाईन डेविट/क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैकिंग की सहायता से करने के पश्चात अपनी अपॉइमेंट शीट के साथ आना होगा। उन्होंने बताया कि

आवेदक को आवेदन पत्र की प्रक्रिया जैसे बायोमेट्रिक प्रक्रिया उंगलियों के निशान तथा फोटो उपलब्ध करवाने के लिए पासपोर्ट मेले में स्वयं उपस्थित होना आवश्यक है।

आवेदक अपनी अपाइमेंट शीट के प्रिंट आउट सभी दस्तावेजों की मूल प्रतियों एवं उसकी फोटो प्रतियां लेकर पासपोर्ट सेवा केन्द्र हाथीबडकला अपना आवेदन जमा करने के लिए आयें। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को वेबसाइट पर सूचीबद्ध दस्तावेजों में से कोई भी तीन दस्तावेज जमा करने होंगे तथा 18 वर्ष से कम आयु वालों को सूचीबद्ध दस्तावेजों में दो दस्तावेज जमा करने होंगे।

बिजली चोरी में दो के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी विद्युत उप संस्थान चकराता के अवर अभियंता अश्वनी कुमार ने चकराता थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको सूचना मिली कि चकराता बाजार में कुछ लोगों के द्वारा बिजली चोरी की जा रही है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो उन्होंने चकराता बाजार स्थित पदमा अरोडा व खुशीराम कोठारी के घर पर छापा मारा तो वहां पर मीटर से पहले कट लगाकर केबल डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।